भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 983
सोमवार, 9 फरवरी, 2026 (20 माघ 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

आंध्र प्रदेश में उड़ान योजना के अंतर्गत पंचाट दिए गए मार्ग

983. श्री येर्रम वेंकट सुब्बा रेड्डी:
क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या यह सच है कि आंध्र प्रदेश राज्य में उड़ान योजना के अंतर्गत 19 मार्गों के पक्ष में पंचाट दिया गया है;
(ख) क्या यह भी सच है कि इन 19 मार्गों में से 18 मार्गों पर प्रचालन प्रारंभ कर दिया गया है;
(ग) यदि हाँ, तो केवल 9 मार्गों पर ही अब प्रचालन शुरू किये जाने और बाकी 9 मार्गों के निष्क्रिय रहने के क्या कारण हैं;
(घ) मंत्रालय सभी 19 मार्गों पर प्रचालन शुरु करने के लिए क्या प्रयास कर रहा है; और
(ङ) प्रस्तावित उड़ान 2.0 की प्रमुख विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): आंध्र प्रदेश राज्य में, कुल 34 वैध आरसीएस मार्ग अवॉर्ड किए गए हैं, जिनमें से 32 आरसीएस मार्गों को क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) योजना के अंतर्गत कार्यशील किया गया है। वर्तमान में, इस राज्य में 12 मार्ग कार्यशील हैं।

एयरलाइनों द्वारा परिचालन बंद किए गए आरसीएस मार्गों ने इस योजना के अंतर्गत अपने निर्धारित तीन वर्ष का व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) कार्यकाल पूरा कर लिया है। इसके अलावा, ये मार्ग वर्तमान में 'उड़ान' योजना के अंतर्गत पुन: बोली प्रक्रिया के लिए पात्र नहीं हैं, क्योंकि ऐसे मार्गों पर प्रस्थान और आगमन दोनों हवाईअड्डों को सेवित हवाईअड्डों का दर्जा प्राप्त हो गया है, जहां प्रति सप्ताह सात से अधिक अनुसूचित प्रस्थान उड़ाने परिचालित होती हैं। "उड़ान' योजना का उद्देश्य मुख्य रूप से असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों के लिए हवाई संपर्क में सुधार करना है।

(घ): क्रियान्वयन एजेंसी, राज्य सरकार और एयरलाइन प्रचालकों के समन्वय में, मंत्रालय, परिचालन बंद किए गए मार्गों पर संपर्क में सुधार करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। पिछले चरणों में परिचालन बंद किए गए मार्गों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और जहां भी संभव हो, 'उड़ान' योजना की बोली प्रक्रिया के आगामी चरणों में इन्हें पुनः बोली प्रक्रिया में शामिल किया जाता है, अवॉर्ड किया जाता है और कार्यशील किया जाता है। यह एक विकासशील प्रक्रिया है।

एयरलाइनें यात्री मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के अपने आकलन के आधार पर इन मार्गों पर वाणिज्यिक उड़ानें परिचालित करने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

(ङ) : सरकार ने अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए देशभर में 120 नए गंतव्यों के लिए क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने हेतु संशोधित 'उड़ान' योजना को आरंभ करने की घोषणा की है। यह योजना पर्वतीय, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैडों और छोटे हवाईअड्डों को भी सहयोग प्रदान करेगी।

******